LOK SABHA

Monday, August 1, 1977/Sravana 10, 1899 (Saka)

The Lok Sabha met at Eleven of the Clock

[MR. SPEAKER *in the Chair*]

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

MR. SPEAKER: Questions.

SHRI K. MALLANNA: Before you take up questions, I want to make a submission.

MR. SPEAKER: After the Question Hour.

SHRI K. MALLANNA: This relates to question. I put the question in English; the answer is in Hindi. How can I correct it?

MR. SPEAKER: You can meet me in my Chamber.

PROF. P. G. MAVALANKAR: My question is No. 720 and I do not think it will be reached. But if you see the title given to the question and the question given under that title, they are different because what I asked had been removed from the main question.

MR. SPEAKER: It is desirable that you meet me in my chamber and discuss it; I shall get it corrected.

श्री रामजी लाल सुमन : मेरा व्यवस्था का सवाल है । यह एक बहुत महत्वपूर्ण प्रश्न है कि 20 सवाल इस में आते हैं और जब कभी स्वास्थ्य मंत्री जबाब देने खड़े

होते हैं तो दो सवाल हो पाते हैं, बाकी जितने सवाल होते हैं उन के जबाब हमें नहीं मिलते । जो लिखित सवाल हैं उन के जबाब तो मिल जाते हैं लेकिन इन सवालों के जबाब हमें कहीं नहीं मिलते । तो मेरा विनम्र निवेदन है कि चाहे भले ही दो ही सवाल इस में आएं लेकिन जितने सवाल आएं उन का जवाब हमें यहां मिलना चाहिये । जितने सवालों का जवाब मिल सके उतने ही सवाल आप इस में रखें लेकिन जिनको रखें उन का जवाब हमें दिलवाएं ।

MR. SPEAKER: Please come and meet me in my Chamber.

अजन्ता तथा एलौरा के गुप्त चित्र

***705. श्री सुखेन्द्र सिंह : क्या शिक्षा, समाज कल्याण और संस्कृति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या अजंता तथा एलौरा गुफाओं के चित्र अब विकृत होते जा रहे हैं ; और

(ख) यदि हां, तो इन चित्रों के परिरक्षण के लिये सरकार क्या कदम उठा रही है ?

शिक्षा, समाज कल्याण और संस्कृति मंत्री (डा० प्रताप चन्द्र चन्द्र) : (क) (ख). चित्र अब विकृत नहीं हो रहे हैं । भारतीय तथा यूनेस्को के विशेषज्ञों से प्राप्त परामर्श के अनुसार भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा अजंता के चित्र संसाधित और संरक्षित किये जा रहे हैं । एलोरा के चित्र भी संसाधित और संरक्षित किए जा रहे हैं ।

श्री सुरेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, अजंता और एलोरा में जो गुफाएं हैं उन में जो भित्ति चित्र बने हुए हैं विश्व विख्यात हैं और दुनिया के लोग इन चित्रों को देखने के लिए आते हैं। इससे हमें बहुत बड़ी विदेशी मुद्रा मिलती है। लेकिन आए दिन समाचार पत्रों के द्वारा हमें यह जानकारी मिलती है कि ये चित्र खराब हो रहे हैं। दीवारों से पानी गिरता है और इस के अलावा ऐसे बहुत से तत्व हैं जो इन की नकल करते हैं, इनकी फोटो लेते हैं और इन को चोरी करने का प्रयास करते हैं। तो क्या शासन के पास इन की जानकारी है कि इस तरह महत्वपूर्ण और अनुपम कला जो हमारी संस्कृति की प्रतीक है इसकी ऐसी हालत हो रही है और यदि है तो इस के बारे में शासन की ओर से क्या कार्यवाही की जा रही है ?

डा० प्रताप चन्द्र चन्द्र : यह सही बात है कि कभी कभी अखबार में इस तरह के समाचार आ रहे हैं। लेकिन इसके संरक्षण के लिए एक कमेटी बनाई गई थी जुलाई 1971 में डा० मोतीचंद, डायरेक्टर प्रिंस आफ वेल्स म्यूजियम की अध्यक्षता में। उस में और भी बहुत से आदमी थे। उन के बाद वह कमेटी बदली गई, बहुत से लोग उस कमेटी के बाद में बदल दिए गए। उन्होंने कुछ सुझाव दिए हैं। उन सुझावों पर बराबर हम काम कर रहे हैं और यूनेस्को से दो एक्सपर्ट आए थे डा० पावलो मोरा और डा० मिसेज लोरा मोरा, उन्होंने भी यह कहा कि अभी जिस तरह से यह संरक्षण हो रहा है वह सही है। एक तीसरे एक्सपर्ट और आए थे प्रोफेसर लारेंस जे माजेविस्की, चेयरमैन आफ दी कंजर्वेशन सेंटर फार फाइन आर्ट्स, न्यूयार्क यूनिवर्सिटी, उन्होंने इस संरक्षण को सही मंजूर किया।

श्री सुरेन्द्र सिंह : जिस तरह की यह अजंता और एलौरा की गुफाएं हैं इसी तरीके की देश में और भी अनेक महत्वपूर्ण गुफाएं हैं। क्या मंत्री जी बताएंगे कि शासन के पास उन की सूची है या नहीं यदि नहीं है तो क्या इस तरह की सूची बना कर सरकार उन को अपने हाथ में लेगी ताकि देश की यह महत्वपूर्ण कला जिस को देखने के लिये दुनिया के लोग आते हैं इस का संरक्षण हो सके ? क्या इस संबंध में जैसी आपने जानकारी दी कमेटी बनी है ? यदि नहीं बनी है तो क्या ऐसी एक एडवाइजरी कमेटी बना कर उसके जरिए समय समय पर सलाह लेकर उन के संरक्षण की व्यवस्था करेंगे ?

डा० प्रताप चन्द्र चन्द्र : यह सुझाव हम सोच कर देखेंगे।

श्री फिरंगी प्रसाद : मंत्री महोदय ने बताया कि ये खराब नहीं हो रहे हैं तो मैं उन से यह जानना चाहता हूं कि इन के रख रखाव और देख रेख पर पिछले तीन सालों में कुछ खर्च हुआ है या नहीं ?

डा० प्रताप चन्द्र चन्द्र : मान्यवर, इस पर बहुत रुपये खर्च हुये हैं। अजन्ता के लिये 1974-75 में सालाना मरम्मत के लिये 90399 रुपये, स्पेशल रिपेअर्स (विशेष संरक्षण) के लिए 1,10,102 रुपए खर्च हुए। 1975-76 में सालाना मरम्मत के लिए 83,813 रुपये विशेष मरम्मत के लिए 1,19,828 रुपये खर्च हुए। 1976-77 में सालाना मरम्मत के लिये 1,02,468 रु० और विशेष मरम्मत के लिये 1,55,501 रुपये खर्च हुए इसी तरह से एलोरा पर भी काफी रुपया खर्च हुआ है।

*SHRI G. S. REDDI: May I know from the hon. Minister whether the amount allotted for the repairs and maintenance of these caves is not

sufficient and whether he is going to allot more funds for the preservation of these ancient monuments?

DR. PRATAP CHANDRA CHUNDER: Actually this year more funds have been allotted for Ajanta; for annual repairs we have provided one lakh of rupees and for special repairs Rs. 2,63,500. This should be compared with last year's figures which were Rs. 1,02,000 and Rs. 1,55,000 respectively.

Similarly for Ellora, this year there is a provision for Rs. 1,50,000 as against the actual expenditure of Rs. 1,02,000 for the annual repairs and as for special repairs, the allotment is almost the same for Ellora—a little more, about Rs. 23,000 more.

श्री धर्म वीर वशिष्ठ : क्या शिक्षा मंत्री जी बतायेंगे कि इन चित्रों की डिस्फिगरिंग या चुराने की जो कोशिशें की जा रही हैं, उन से बचाने के लिये प्रोटेक्शन के कोई कदम उठाये गये हैं ?

डा० प्रताप चन्द्र चन्द्र : मान्यवर, चोरी तो नहीं हो पाती है, क्योंकि ये चित्र दीवार पर बने हुए हैं, इसलिये उन को निकाला नहीं जा सकता है, लेकिन इन के संरक्षण के लिये जो आदमी काम कर रहे हैं उन की संख्या 10 है । इन में कैमिकल एसिस्टेंट है, एटेन्डन्ट्स हैं वे इन की देख भाल कर रहे हैं ।

SHRI A. R. BADRINARAYAN: Has the Government got an estimate prepared for the comprehensive requirements of the repairs to these various ancient monuments?

DR. PRATAP CHANDRA CHUNDER: That is a very wide question.

SHRI SONU SINGH PATIL: I would like to know from the hon. Minister whether it is a fact that the paintings which are there in the Ajanta cave are not brought to the original level and the repairs, etc. are much more sub-standard and not to the original level.

DR. PRATAP CHANDRA CHUNDER: It is very difficult to say what is meant by original level because we are in the 20th century. Even then, I can say that these three experts whom I have already named, have checked the type of repairs that are being done and have approved of it.

Sale of Janta Flats

+

*707. SHRIMATI PARVATHI KRISHNAN:
SHRI SUKHDEO PRASAD VERMA:

Will the Minister of WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND REHABILITATION be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the fact that the D.D.A. has sold Janta flats to the allottees for three times more than the original price;

(b) if so, the details thereof; and

(c) Government's opinion thereon?

THE MINISTER OF WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND REHABILITATION (SHRI SIKANDAR BAKHT): (a) The Delhi Development Authority has reported that no such complaint has been received.

(b) and (c). Do not arise.

SHRIMATI PARVATHI KRISHNAN: Sir, is it not a fact that the Welfare Association of those who are occupying the DDA flats in Prasad Nagar have brought to the notice of the Government through the press—may be, I am not sure whether it has gone to the Government because the Minister at that time was not well; so, perhaps, his department has just put all the files on his table—the fact that these particular DDA flats which the Central PWD valued at about Rs.